RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

HISTORY

कण्व वंश, सातवाहन वंश



LIVE STREAMING 27-05-2024 4PM

बिंदुसार → २ विदेशी यात्री

① डॉयमेक्स
↳ रणिट्योक्स (सीरिया)

② टालमी II फिलाडेल्फस (मिस्त्र)
⇓
डाइनोसियस ✓

सबसे छोटा उपनिषद्
→ ↳ माण्डुक्योपनिषद् ✓
- मुण्डकोपनिषद् → सत्यमेव जयते।

पुष्यमित्र के उत्तराधिकारी :–

Successor of Pushyamitra :-

→ अग्निमित्र : विदर्भ युद्ध
Agnimitra : Vidarbha war

- यज्ञसेन – वहन = "मालविका"
- अग्निमित्र

"मालविकाग्निमित्रम्"
कालिदास

वसुज्येष्ठ **Vasujyeshtha**

वसुमित्र **Vasumitra**

देवभूति (अंतिम शासक)
Devbhuti (last ruler)

d mb.

→ हत्या ⇒ वासुदेव

⇓

काण्व वंश की स्थापना

★ अग्निमित्र ने कलिंग के विरूद्ध अभियान किया, उस समय चेदि/कलच्युरी वंश का शासन था।

Agnimitra campaigned against Kalinga, then ruled by the Chedi/Kalachyuri dynasty.

संस्थापक : महामेघ वाहन

Founder : Mahamegh Vehicle

चेदिवंश का प्रतापी शासक : खारवेल हुआ

★ Magnificent ruler of Chedivansh: Kharavela happened "खारवेल : हाथीगुफा का अभिलेख (प्राकृत भाषा में) = जारी

Kharavela: Inscription of Hathiguffa (in Prakrit language) = Continued

- कलिंग प्रशासन Kalinga Administration
- भारत वर्ष का उल्लेख (शब्द : भारतवर्ष का प्रयोग/उल्लेख)

  Mention of India year (word: use/mention of India year)

अग्निमित्र → कलिंग अभियान

↳ शासन → चेदी वंश → संस्थापक → महामेघवाहन

→ सबसे प्रतापी शासक: खारवेल

⇓

हाथीगुम्फा अभिलेख

जारी।

↳ प्राकृत भाषा

कण्व वंश (73BC- 30BC)

★ संस्थापक : वासुदेव Founder: Vasudev

★ अंतिम शासक : शुशर्मन Last Ruler: Shusharman

★ दो राजधानियाँ : पाटलिपुत्र, विदिशा Two capitals: Pataliputra Vidisha

→ हत्या → सिमुक

⇓

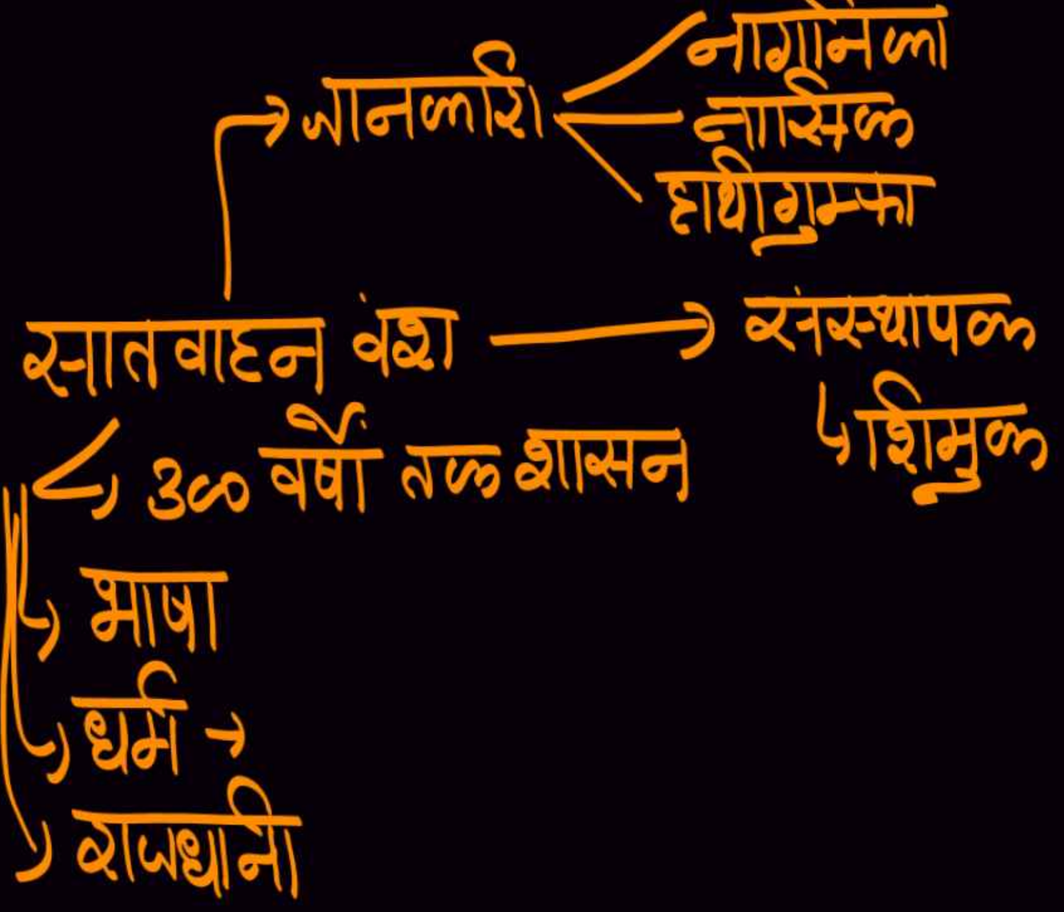
सातवाहन / आंध्र सातवाहन वंश

सातवाहन वंश / आंध्र सातवाहन वंश

- ★ 300 वर्षो तक शासन काल Reigned For 300 Years
- ★ भाषा : प्राकृत Language: Prakrit
- ★ धर्म : ब्राह्मण Religion: Brahmin
- ★ राजधानी : प्रतिष्ठान / पैठान (द0 महाराष्ट्र) : गोदावरी नदी पर
  Capital : Pratishthan (Paithan (S. Maharashtra) : On the river Godavari
- ★ संस्थापक : "शिमुक" (कण्व वंश के अंतिम शासक शुशर्मन की हत्या कर)
  Founder: "Shimuka" (by killing Shusharman, the last ruler of the Kanva dynasty)
- ★ सातवाहन वंश के बारे में जानकारी मिलती है– नागनिका अभिलेख ✓
  Information about the Satavahana dynasty is found in the Naganika inscription.

✓ नासिक अभिलेख Nashik Records

✓ हाथी गुम्फा अभिलेख Hathi Gumpha inscription


आनळारि
नागनिळा
नासिळ
हाथीगुम्फा
सातवाहन वंश
संस्थापळ
शिमुळ
३०० वर्षों तळ शासन
भाषा
धर्म
राजधानी

★ शिमुक का उत्तराधिकारी – शातकर्णी प्रथम Shimuka's successor - Shatkarni I

★ उपाधि : दक्षिण पथपति / प्रतिष्ठानपति Title: Dakshin Patrapati/Founder

★ शातकर्णी प्रथम ने : 2 अश्वमेघ यज्ञ, 1 राजसूय यज्ञ किया।
Shatkarni I performed: 2 Ashwamedha Yagya, 1 Rajasuya Yagya.

★ राजधानी बनायी : अमरावती Capital made: Amaravati

★ शातकर्णी प्रथम का नाम – "एल्डर सैरागोन"
Name of Shatkarni I - "Elder Cairagon"

पुस्तक – "पैरिप्लस ऑफ द् एरिथियन सी" ← अज्ञात लेखक
Book - "Periplus of the Erythean Sea"

"यूनान + मौर्य साम्राज्य के व्यापार
"Trade of Greece + Maurya Empire

★ भूमि दान की प्रथा प्रारम्भ की : शातकर्णी प्रथम

Started the practice of land donation: Shatkarni I

इस बात की जानकारी "नाना घाट का अभिलेख" से प्राप्त होती है।

This information is obtained from the "record of Nana Ghat".

शतकर्णी प्रथम की पत्नी "नागनिका" द्वारा जारी किया गया।

Issued by "Naganika", the wife of Shatkarni I.

★ (C) हाल : संस्कृत का विद्वान Hall : Scholar of Sanskrit

- गाथा सप्तसती की रचना की : "प्राकृत भाषा मे–

Composed Gatha Saptasati: "In Prakrit language-

- अंधकार युग भी सातवाहन वंश को कहा जाता है।

The dark age is also called the Satavahana dynasty.

सिमुक ⇓ शातकर्णी प्रथम ⇓ हाल

हाल

- इसमें दो विद्वान रहते थे:
  Two students lived in its center:

1. सर्ववर्मन : कांतत्र (Book)
   Sarvavarman: Kantrat
2. गुड़ाह्डय : बृहतकथा → Book → Imp.
   Gudahdya: Brihatkath

(इसी के आधार पर) "पंचतंत्र" पुस्तक Based on this the book "Panchtantra"

बृहतकथा के आधार पर

Imp.

विष्णु शर्मा Vishnu Sharma → लेखक (writer)

शिमुक → शातकर्णी प्रथम → हाल → गौतमी पुत्र शातकर्णी

★ (D) गौतमी पुत्र शातकर्णी Gautami's son Shatkarni

- 23वां शासक 23rd ruler
- सातवाहन वंश का पुर्नसंस्थापक Restorer of the Satavahana Dynasty
- उपाधि : अद्वितीय ब्राह्मण Title: Unique Brahmin
  एका ब्राह्मण single brahmin

Imp.

→ त्रिसमुद्रीपति trisamudripati

वेणकटक स्वामी Venkataka Swami

माता ⇒ गौतमी बलश्री

- माता : बलश्री (नासिक अभिलेख)
  Mother: Balashri (Nashik inscription)

अपने पुत्र के साथ संयुक्त रुप से शासिक रही है।
Ruled jointly with her son.



- समाज : पितृसत्तात्मक Society: Patriarchal
- इसने शक्ल शासक "नहपान" को हराया : "जोगलश्राम्बी (नासिक) से मिले मृदभाण्डो से पता चलता है। : (13250) सिक्के
  It defeated the ruler "Nahapana": "It is known from the pottery found from JogalShrimbi (Nashik). : (13250) Coins

मृदभाण्ड
मिट्टी + बर्तन

→ शक शासक

→ नहपान हराया

गौतमी पुत्र शातकर्णी

- २३ वां शासक
- माता के साथ शासन → नासिक अभिलेख
- गौतमी बलश्री
- उपाधि

- वशिष्ठी पुत्र शातकर्णी / (पुलवामी)
  Vashishthi son of Shatkarni/Pulwami
  - रूद्रदामन से पराजित हुआ।
    defeated by Rudradaman.
    - शाळ शासळ
    - पुत्री + वशिष्ठी पुत्र शातकर्णी का पुत्र = "विवाह"
      Daughter + Vashishti's son Shatakani's son = "Marriage"
      - शिवश्री Shivshree

- यज्ञ श्री शातकर्णी Yagya Shree Shatkarni
  - जलयान के चित्र वाले सिक्के जारी कराए।,
    Issued coins with pictures of ships.



वाशीष्ठी पुत्र शातकर्णी
↳ पुत्र + पुत्री (रूद्रदामन) ⇒ विवाह

★ अंतिम शासक : "विजय" Last Ruler: "Victory"

- सातवाहनों ने शीशे के सिक्के जारी कराए : (500ग्रेन)
  Satavahanas issued glass coins: (500 grains)

  + पोटीन एवं ताँबे के सिक्के भी चलवाए।
  + Putty and copper coins were also made to run.

- सातवाहन वंश के शासक सर्वाधिक व्यापार 'कल्याण' नागक बंदरगाह से करते थे।
  The rulers of the Satavahana dynasty used to do most of the trade from 'Kalyana' Nagak port.

RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

HISTORY

कण्व वंश, सातवाहन वंश



LIVE STREAMING 27-05-2024 4PM

शुंग वंश (185BC-73BC)

★ इसने मौर्य वंश के अंतिम शासक की हत्या कर शुंग वंश की स्थापना की।
He established the Sunga dynasty by killing the last ruler of the Mauryan dynasty.

★ ब्राह्मण साम्राज्य **Brahmin Empire**

★ संस्थापक : पुष्यमित्र शुंग (185BC-149BC)
Founder: Pushyamitra Sunga (185BC-149BC)

★ राजधानी : विदिशा (मध्य प्रदेश) **Capital : Vidisha (Madhya Pradesh)**

★ राजभाषा : संस्कृत **Official Language: Sanskrit**

★ इसने अशोक के 8400 स्तूपो को तुड़वा दिया।
He destroyed 8400 stupas of Ashoka.

★ भरहूत स्तूप "का निर्माण पुष्यमित्र शुंग ने स्वयं करवाया।

Pushyamitra Shung himself got the Bharhut Stupa built.

★ इसके काल को "वैदिक पुनर्जागरण का काल" कहा गया।
Its period was called "the period of Vedic renaissance".

★ यवनों को आक्रमण इसी के समय हुआ। The Yavanas were attacked at this time.

↳ यूनान : डेमिट्रियस Greek: Demetrius

★ इसके दरबार में "पतंजलि" रहते थे जिन्होनें "योगशास्त्र" लिखा एवं महाभाष्य भी। जो माहभाष्य – पाणिनी के अष्टाध्यायी से
"Patanjali" used to live in its court, who wrote "Yogashastra" and also Mahabhashya. Which Mahbhashya - from Panini's Ashtadhyayi

★ पतंजलि ने 2 अश्वमेघ यज्ञ करवाए – पुष्य मित्र शुंग के लिए।
Patanjali performed 2 Ashwamedha Yagya - for Pushya Mitra Sunga.

पुष्यमित्र के उत्तराधिकारी :–

Successor of Pushyamitra :-

अग्निमित्र : विदर्भ युद्ध
Agnimitra : Vidarbha war

- यज्ञसेन – वहन = "मालविका"
- अग्निमित्र

"मालविकाग्निमित्रम्'
कालिदास

वसुज्येष्ठ **Vasujyeshtha**

वसुमित्र **Vasumitra**

देवभूति (अंतिम शासक)
Devbhuti (last ruler)

★ अग्निमित्र ने कलिंग के विरूद्ध अभियान किया, उस समय चेदि/कलच्युरी वंश का शासन था।

Agnimitra campaigned against Kalinga, then ruled by the Chedi/Kalachyuri dynasty.

संस्थापक : महामेघ वाहन

Founder : Mahamegh Vehicle

चेदिवंश का प्रतापी शासक : खारवेल हुआ

★ **Magnificent ruler of Chedivansh: Kharavela happened**"खारवेल : हाथीगुफा का अभिलेख (प्राकृत भाषा में) = जारी

Kharavela: Inscription of Hathiguffa (in Prakrit language) = Continued

- कलिंग प्रशासन **Kalinga Administration**
- भारत वर्ष का उल्लेख (शब्द : भारतवर्ष का प्रयोग/उल्लेख)

  Mention of India year (word: use/mention of India year)

कण्व वंश (73BC- 30BC)

★ संस्थापक : वासुदेव Founder: Vasudev

★ अंतिम शासक : शुशर्मन Last Ruler: Shusharman

★ दो राजधानियाँ : पाटलिपुत्र, विदिशा Two capitals: Pataliputra Vidisha

सातवाहन वंश / आंध्र सातवाहन वंश

★ 300 वर्षो तक शासन काल **Reigned For 300 Years**

★ भाषा : प्राकृत **Language: Prakrit**

★ धर्म : ब्राह्मण **Religion: Brahmin**

★ राजधानी : प्रतिष्ठान (पैठान (द0 महाराष्ट्र) : गोदावरी नदी पर
Capital : Pratishthan (Paithan (S. Maharashtra) : On the river Godavari

★ संस्थापक : "शिमुक' (कण्व वंश के अंतिम शासक शुशर्मन की हत्या कर)
Founder: "Shimuka" (by killing Shusharman, the last ruler of the Kanva dynasty)

★ सातवाहन वंश के बारे में जानकारी मिलती है– नागनिका अभिलेख
Information about the Satavahana dynasty is found in the Naganika inscription.

नासिक अभिलेख **Nashik Records**

हाथी गुम्फा अभिलेख **Hathi Gumpha inscription**

★ शिमुक का उत्तराधिकारी – शातकर्णी प्रथम Shimuka's successor - Shatkarni I

★ उपाधि : दक्षिण पथपति/प्रतिष्ठानपति Title: Dakshin Patrapati/Founder

★ शातकर्णी प्रथम ने : 2 अश्वमेघ यज्ञ, 1 राजसूय यज्ञ किया।
Shatkarni I performed: 2 Ashwamedha Yagya, 1 Rajasuya Yagya.

★ राजधानी बनायी : अमरावती Capital made: Amaravati

★ शातकर्णी प्रथम का नाम – "एल्डर सैरागोन"
Name of Shatkarni I - "Elder Cairagon"

पुस्तक – "पैरिप्लस ऑफ द् एरिथियन सी"
Book - "Periplus of the Erythean Sea"

"यूनान + मौर्य साम्राज्य के व्यापार
"Trade of Greece + Maurya Empire

★ भूमि दान की प्रथा प्रारम्भ की : शातकर्णी प्रथम

Started the practice of land donation: Shatkarni I

इस बात की जानकारी "नाना घाट का अभिलेख" से प्राप्त होती है।

This information is obtained from the "record of Nana Ghat".

शतकर्णी प्रथम की पत्नी "नागनिका" द्वारा जारी किया गया।

Issued by "Naganika", the wife of Shatkarni I.

★ (C) हाल : संस्कृत का विद्वान **Hall : Scholar of Sanskrit**

- गाथा सप्तसती की रचना की : "प्राकृत भाषा मे–

Composed Gatha Saptasati: "In Prakrit language-

- अंधकार युग भी सातवाहन वंश को कहा जाता है।

The dark age is also called the Satavahana dynasty.

- इसमें दो विद्वान रहते थे:
  Two students lived in its center:

1. सर्ववर्मन : कांतत्र
   Sarvavarman: Kantrat
2. गुड़ाह्ड्य : बृहतकथा
   Gudahdya: Brihatkath

इसी के आधार पर "पंचतंत्र" पुस्तक Based on this the book "Panchtantra"

विष्णु शर्मा Vishnu Sharma

★ (D) गौतमी पुत्र शातकर्णी Gautami's son Shatkarni

- 23वां शासक 23rd ruler
- सातवाहन वंश का पुर्नसंस्थापक Restorer of the Satavahana Dynasty
- उपाधि : अद्वितीय ब्राह्मण Title: Unique Brahmin

एका ब्राह्मण single brahmin

त्रिसमुद्रीपति trisamudripati

वेणकटक स्वामी Venkataka Swami

- माता : बलश्री (नासिक अभिलेख)

Mother: Balashri (Nashik inscription)

अपने पुत्र के साथ संयुक्त रुप से शासिक रही है।

Ruled jointly with her son.

- समाज : पितृसत्तात्मक Society: Patriarchal
- इसने शकशासक "नहपान" को हराया : "जोगलश्राम्बी (नासिक) से मिले मृदभाण्डो से पता चलता है। : (13250) सिक्के

It defeated the ruler "Nahapana": "It is known from the pottery found from JogalShrimbi (Nashik). : (13250) Coins

- वशिष्ठी पुत्र शातकर्णी / (पुलवामी)
  Vashishthi son of Shatkarni/Pulwami
  - रूद्रदामन से पराजित हुआ।
    defeated by Rudradaman.
    - पुत्री + वशिष्ठी पुत्र शातकर्णी का पुत्र = "विवाह"
      Daughter + Vashishti's son Shatakani's son = "Marriage"
      - शिवश्री Shivshree

- यज्ञ श्री शातकर्णी Yagya Shree Shatkarni
  - जलयान के चित्र वाले सिक्के जारी कराए।,
    Issued coins with pictures of ships.

★ अंतिम शासक : "विजय" Last Ruler: "Victory"

- सातवाहनों ने शीशे के सिक्के जारी कराए : (500ग्रेन)
  Satavahanas issued glass coins: (500 grains)

  + पोटीन एवं ताँबे के सिक्के भी चलवाए।
  + Putty and copper coins were also made to run.

- सातवाहन वंश के शासक सर्वाधिक व्यापार 'कल्याण' नागक बंदरगाह से करते थे।
  The rulers of the Satavahana dynasty used to do most of the trade from 'Kalyana' Nagak port.

भारत पर विदेशी आक्रमण

- ★ पर्शियन / ईरानी Persian/Iranian
- ★ यूनानी (सिंकदर) Greek (Sikander)
- ★ हिन्द यवन Hind Yavana (Indo-Greek)
- ★ शक Shak
- ★ पहलव Pahlav
- ★ कुषाण Kushan
- ★ अरबी Arabic
- ★ तुर्की Turkey

भारत पर विदेशी आक्रमण

- ★ पर्शियन / ईरानी Persian/Iranian
- ★ यूनानी (सिंकदर) Greek (Sikander)
- ★ हिन्द यवन Hind Yavana (Indo-Greek)
- ★ शक Shak
- ★ पहलव Pahlav
- ★ कुषाण Kushan
- ★ अरबी Arabic
- ★ तुर्की Turkey

हिन्द यवन शासक (Indo-Greek)

★ इन्हें बैक्ट्रियन भी कहा जाता है।
They are also called Bactrians.

★ पहला शासक : डेमिट्रियस (सेल्यूकस की तीसरी पीढ़ी का वंशज)
First ruler: Demetrius (3rd generation descendant of Seleucus)

★ डायोडोट्स ने सेल्यूकस के कमजोर होने पर बैक्ट्रिया क्षेत्र को एक स्वतंत्र साम्राज्य के रुप में घोषित कर दिया था।
Diodotes had declared the Bactria region as an independent kingdom when Seleucus was weak.

★ दूसरा यूनानी आक्रमणकारी : डेमिट्रियस
Second Greek Invader: Demetrius

★ इनकी दो शाखाएँ भी: They also have two brancnes:

डेमेट्रियश शाखा
Demetrius Branch

1. अपोलोडोट्स
1. Apollodotes

2. अगाथोक्लिज
2. Agathoklij

3. मिनांडर (मिलिंद)
3. Minander (Milind)

कृष्ण + बलराम
Krishna + Balarama

सिक्के जारी किए

येक्रेटाइड्स शाखा
Yecratides Branch

उत्तराधिकारी Heir

एण्टियालकीड्स
Antialkids

इसने शुंग वंश के शासक "भागवत' के दरबार में "हेलियोडोरस" को भेजा था।

1. सिकंदर से ज्यादा भू– भाग जीते

1. Conquered more territory than Alexander

2. बौद्ध–भिक्षु नागसेन से वार्ता की ''

2. Talked to the Buddhist-monk Nagasena.

मिलिंदपन्हो : बौद्ध ग्रंथ ("मिलिंद के प्रश्न")

Milimpadho: Buddhist texts

3. उपाधि : हमिकश, सोटर

4. सोने के सिक्के चलवाए।

राजधानी Rajdhani (शाकल (सियालकोट) (Shakal (Sialkot)

तक्षशिला Takshashila got

अंतिम शासक last ruler – हर्मियस hermeus "इसे कुजुल कडफिसेस ने हराया।

"It was defeated by Kujul Kadphisese.

(हिन्द यवन आक्रमण के प्रभाव):–

1. मुद्राओं के लिपि script of currencies
2. कैलेण्डर में सप्ताह का प्रयोग
   use of weeks in calendar
3. 12 राशियाँ : (सिंह मेष, मिथुन.....)
   12 zodiac signs: (Leo, Aries, Gemini.....)
4. पर्दा प्रथा (यवनिका) Veil practice (Yavnika)

शक (सीथियन)

★ शकः मध्य एशिया से आए। The Shakas came from Central Asia.

★ पहला शासक : "मोगा" First Ruler: "Moga"

★ शको की भारत में (5) शाखाएँ थी :– Shako also has (5) branches in India :-

1. अफगानिस्तान Afghanistan
2. पंजाब Punjab
3. मालवा Malwa
4. उत्तरी शाखा/क्षत्रप (तक्षशिला से मथुरा तक)
   Northern branch / Kshatrapa (from Taxila to Mathura)
5. पश्चिमी क्षत्रप (नासिक से उज्जैन तक)
   Western Kshatraps (from Nashik to Ujjain)

रुद्रदामन का सम्बन्ध पश्चिमी क्षत्रप शाखा से है।

Rudradaman is related to the Western Kshatrapa branch.

↳ "जूनागढ़ अभिलेख जारी कराया " – (विशुद्ध संस्कृत में जारी)

"Junagarh inscription released" - (Issued in pure Sanskrit)

↳ गिरनार **(Girnar) – Gujrat**

इसी अभिलेख से "सुदर्शन झील" के निर्माण का पता चलता है जो कि चन्द्रगुप्त मौर्य के राज्यपाल : पुष्यगुप्त ने कराया था।

This record shows the construction of "Sudarshan Lake" which was done by Pushyagupta, the governor of Chandragupta Maurya.

- सुदर्शन झील से नहरे निकलवाई : "तुषाष्प" (सम्राट अशोक का राज्यपाल)

  Canals were made out of Sudarshan Lake: "Tushashpa" (Governor of Emperor Ashoka)

- जीर्णोद्धार करया : रुद्रदामन ने (सुविशाख के निर्देशन में) – मंत्री

  Renovated by: Rudradaman (under the direction of Suvishak) - Minister

- पुनः जीर्णोद्धार कराया : "स्कन्दगुप्त" **Revived again: "Skandagupt"**

★ जूनागढ़ अभिलेख से : रुद्रदामन, चन्द्रगुप्त मौर्य व अशोक के बारे में जानकारी मिलती है।

From Junagarh inscription: Information is available about Rudradaman, Chandragupta Maurya and Ashoka.

पहलव (पार्थियन)

★ संस्थापक : मिथ्रेड्टेस **Founder: Mithadrates**

↳ ईरान से आए थे। **Came from Iran.**

★ इस वंश का सबसे शक्तिशाली शासक – गोण्डोफर्नीस (राजधानी तक्षशिला)

The most powerful ruler of this dynasty - Gondofarnes (Capital Taxila)

कुषाण

★संस्थापक : कुजुल कडफिसेस –

Founder: Kujul Kadifises -

उत्तराधिकारी

successor

★कुषाण मध्य एशिया से आए थे।

The Kushans came from Central Asia.

★यह 'यूची जनजाति' के थे।

He belonged to the 'Youtchi Tribe'.

"विम कडफिसेस" (वास्तविक संस्थापक)

"Wim Kadphises" (the real founder)

★विम कडफिसेस ने सोने के सिक्के चलवाए जिसे द्विभाषीय मुद्रा भी कहा गया।

Vim Kadphikes introduced gold coins which were also called bilingual currency.

यूनानी लिपि

Greek script

खरोष्ठी लिपि

Kharosthi script

★ "विम कडफिफेस" : शैव धर्म का अनुयायी था।

Vim Kadphiface: Was a follower of Shaivism.

- शिव, नंदी, बैल की आकृति के सिक्के मिले है।

  Coins in the shape of Shiva, Nandi, Bull have been found.

★ विम कडफिफेस को सम्राटो का सम्राट, सर्वलोकेश्वर आदि नामो से जाना जाता है।

The emperor of emperors, Sarvalokeshwar is known by other names.

कनिष्क (78AD-110AD)

★ रवैटक अभिलेख से कनिष्क के विम कडफिसेस का पुत्र होने का पता चलता है।
The Ravitaka inscription reveals Kanishka to be the son of Vima Kadphises.

★ इनकी दो राजधानियाँ थी। → 1. पुरुषपुर
They had two capitals. Purushpur
2. मथुरा Mathura

★ कनिष्क गद्दी पर बैठने से पूर्वः तक्षशिला का गर्वनर थे।
Before Kanishka ascended the throne: He was the governor of Takshashila.

★ कनिष्क के शासनकाल में बौद्ध धर्म की चौथी संगीति : कश्मीर के कुण्डल वन में वसुमित्र की अध्यक्षता में हुयी।
4th Music of Buddhism during the reign of Kanishka: Vasumitra in Kundal forest of Kashmir Held under the chairmanship of

चौथी बौद्ध संगीति : में बौद्ध धर्म दो शाखा में बँट गया। → हीनयान, महायान
forth Buddhist Council: In Buddhism, it was divided into two branches.

★ इन्हें द्वितीय अशोक भी कहा जाता है। He is also called the second Ashoka.

1. गांधार कला, मथुरा कला का विकास

1. Development of Gandhara Art, Mathura Art

2. शुद्ध सोने के सिक्के – (सूर्य देवता, हेलियोक्लीज का प्रतीक)

2. Coins of pure gold - (symbol of the sun god, Heliocles)

3. दरबारी : (1) राजनैतिक कवि/लेखक – "अश्वघोष"

3. Darbari: (1) Political poet/writer - "Asvaghosh"

(2) नागार्जुन – (शून्य वाद का जनक/सापेक्षता का सिद्धांत)

(2) Nagarjuna - (Father of Zeroism/Theory of Relativity)

↓

पुस्तक :– प्रज्ञापारमिता सूत्र Book :- Prajnaparamita Sutra

(9) चरक – (चरक संहिता) – "चिकित्सा"

(9) Charaka - (Charaka Samhita) - "Medicine"

★ 78 ईस्वी में शक सम्वत् चला।

Saka era started in 78 AD.

गुप्त साम्राज्य : [319AD-540AD]

भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग
(The Golden Era of Indian History)

★ संस्थापक : श्रीगुप्त Founder: Srigupta

↓

घटोत्कच Ghatotkach

★ चंद्रगुप्त प्रथम (319AD-334AD) Chandragupta I (319AD–334AD)

- गुप्त वंश का वास्तविक संस्थापक माना जाता है: चन्द्रगुप्त प्रथम को।
  The real founder of the Gupta dynasty is considered to be: Chandrgupta I.
- चंद्रगुप्त प्रथम जिस दिन गद्दी पर बैठा: 319 ई0 में गुप्त संवत् चलाया।
  The day Chandragupta I sat on the throne: In 319 AD, he started the Gupta Samvat.
- उसी दिन = राजा–रानी का सिक्का चलाया था।
  On the same day = King-Queen's coin was run.

पत्नी – (कुमार देवी)
Wife - (Kumar Devi)

★ समुद्रगुप्त (335AD-380AD) Samudragupta (335AD–380AD)

- भारत का नेपोलियन (इसने 9+12 राजाओं को हराया)
  Napoleon of India (It defeated 9+12 kings)
- कविराज Kaviraj → विंसेट स्मिथ : Early History of India
- परम भागवत Param Bhagwat
- परम क्रमांक ultimate number
- लिच्छवी दौहित्र litchi dauhitar
- व्याघ्र पराक्रम tiger might
- समरशथ Samarshath
- काच Katch

★ यह संगीत प्रेमी था, सिक्के पर वीणा बजाते हुए दिखाया गया है।
He was a music lover, the coin is shown playing Veena.

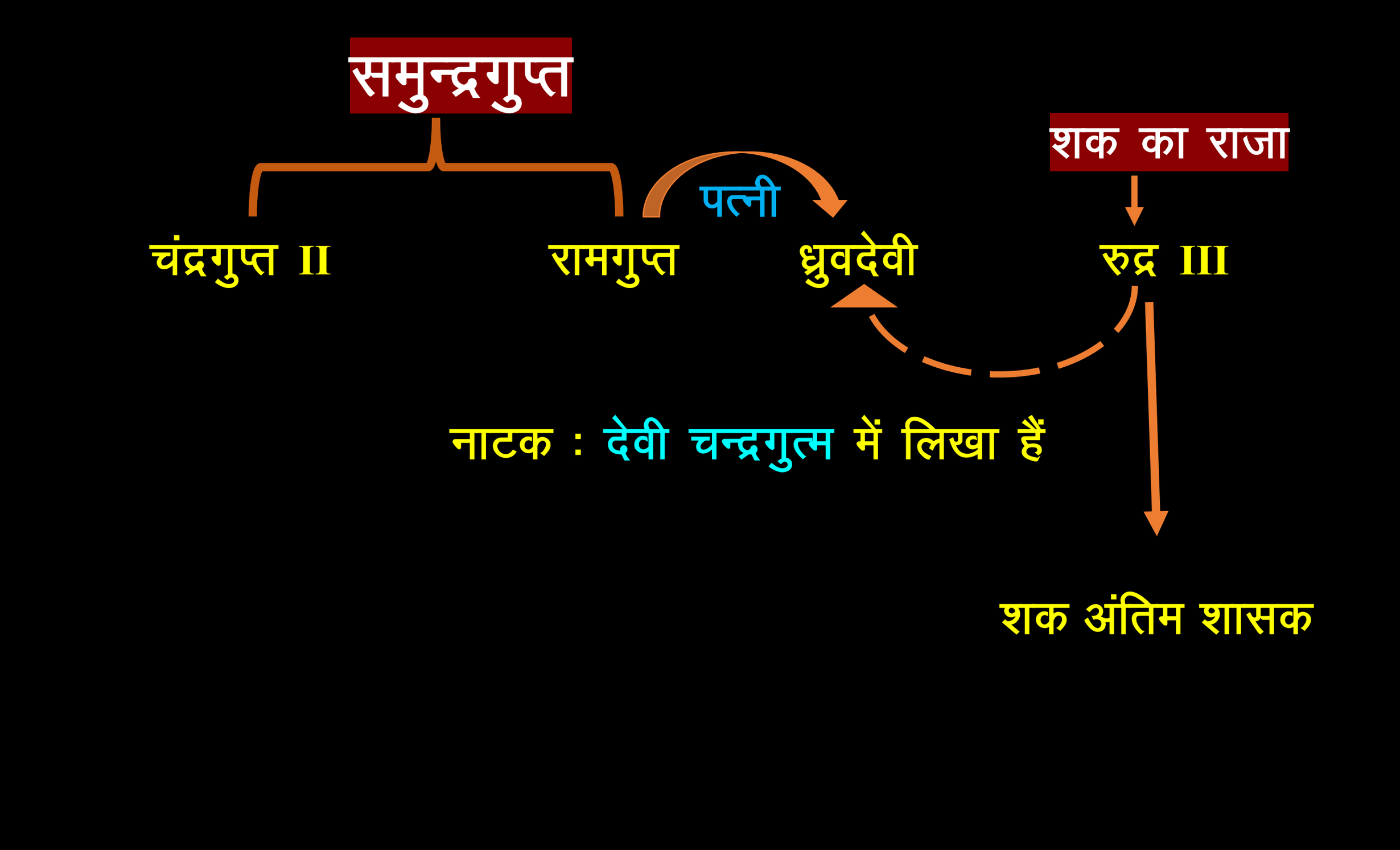
★ इनके दरबारी हरिषेण थे जिसने प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख लिखा है।
His courtier was Harishen, who wrote the Prayag Prashasti inscription.

★ इसके पास एक संगठित नौसेना थी। It had an organized navy.

★ एरण अभिलेख → सती प्रथा प्रचलित थी।
Eran records - Sati practice was prevalent.

"भानु गुप्त" ने जारी कराया' Released by "Bhanu Gupta"

★ भाषा – संस्कृत Language – Sanskrit


समुन्द्रगुप्त
चंद्रगुप्त II
रामगुप्त
पत्नी
ध्रुवदेवी
शक का राजा
रुद्र III
नाटक : देवी चन्द्रगुत्म में लिखा हैं
शक अंतिम शासक

★ चंद्रगुप्त द्वितीय (380AD-414AD)

Chandragupta II (380AD 414AD)

- उपाधि : शकारि
  Title: Shikari

विक्रमांक **Vikramank**

परमभागवत **Param Bhagwat**

विक्रमादित्य (14 विक्रमादित्य में से एक)
Vikramaditya (one of the 14 Vikramadityas)

विक्रमी सम्वत् – **57BC**

उज्जैन के शासक ने चलाया था।

- इसके दरबार में 9 रत्न रहते थे: 9 gems lived in his court:

1. कालिदास Kalidas =
   - मेघदूतम् Meghdootam
   - रघुवंशम् raghuvansham
   - अभिज्ञान शांकुतलम् (पहला अनुवादित ग्रंथ)
     Abhigyan Shankutalam (first translated text)
     - दुष्यंत + शकुंतला = प्रेमकथा
       Dushyant + Shakuntala = love story
   - विक्रमोवर्शीय Vikramvarshi
   - मालविकाग्निमित्रम् malavikagnimitram
   - कुमार सम्भवम् Kumar Sambhavam

   भारत का सेक्सपियर
   India's Shakespeare

2. वराहमिहिर Varahamihira

- वृहतसंहिता Great Samhita
- पंचसिद्धांतिका panchsiddhantika
- बृज्जातक brajjatak

3. शंकु = वास्तुकार Shanku = Architect

4. क्षपणक = ज्योतिष Kshapanaka = Astrology

5. अमर सिंह = अमरकोष Amarkosh

6. घटकर्पर = मुख्य सलाहकार Ghatkarpar = Chief Advisor

7. धन्वन्तरि = चिकित्सक Dhanvantari = doctor

8. वररुचि Varruchi

9. बेताल भट्ट = जादूगर (सिंहासन बन्तीसी) – पुस्तक

Betala Bhatta = Magician (Singhasan Bantisi) - Book

- आर्यभट्ट :– सूर्यसिद्धांत (आर्यभट्टीयम) – पुस्तक

  Aryabhata :- Suryasiddhanta (Aryabhattiyam) - Book

  O, V, $\sqrt{\square}$, $\sqrt[3]{\square}$ पृथ्वी की त्रिज्या

  O, V, $\sqrt{\square}$, $\sqrt[3]{\square}$ Radius of the Earth

- वात्स्यायन = कामसूत्र **Vatsyayana = Kamasutra**
- फाहियान : 399 ई–414 ई0 तक भारत में रहा।

  Fahian: Lived in India till 399 AD - 414 AD.
- पुस्तक – फा. क्यो– की **Book – Pha Kyo-ki**
- चीनी लेखक भारतीयों को यिन्तू कहते थे।

  Chinese writers used to call Indians Yintu.

- चन्द्रगुप्त की दो राजधानियाँ भी :–

  Chandragupta also had two capitals :- 1. पाटलिपुत्र **Pataliputra**

  2. उज्जैन **Ujjain**

★ चन्द्रगुप्त द्वितीय ने अपनी पुत्री का विवाह : वाकाटक नरेशः रुद्र द्वितीय से की। और इनकी मदद लेकर शासक : रुद्र III को हराया। (शक शासक– रुद्र III का हराया)

Chandragupta II married his daughter to Vakataka king Rudra II. And by taking their help defeated the ruler: Rudra III. (Saka ruler- defeated by Rudra III)

★ चन्द्रगुप्त द्वितीय ने कदम्ब साम्राज्य के शासक : काकुत्स वर्मा की बेटी से अपने पुत्र का विवाह करवाया।

Chandragupta II got his son married to the daughter of Kakutsa Varma, the ruler of the Kadamba kingdom.

★ इसने मथुरा क्षेत्र को कुषाणों से जीता : (मथुरा अभिलेख)
He conquered the Mathura region from the Kushans: (Mathura inscription)

★ महरौली लौह स्तम्भ अभिलेख : चंद्रगुप्त द्वितीय ने लिखवाया।
Mehrauli Iron Pillar Inscription: Chandragupta II got it written.

↳ चन्द्र Chandra

★ सांची के स्तम्भ लेख से ग्रामदान के बारे में पता चलता है।
From the pillar inscription of Sanchi, it is known about Gramdan.

★ चंद्रगुप्त द्वितीय के समय की जानकारी का सबसे अच्छा स्त्रोत : "देवीचन्द्रगुप्तम् है।

The best source of information about the time of Chandragupta II is: "Devichandraguptam.

लेखक "विशाखादत्त" **Writer Vishakhadatta**